an>

Title: Need to release the GPF arrears of the employees of Hardoi Sugar Mill in Uttar PRadesh.

डॉ. अंशुल वर्मा (हरदोई) : अध्यक्ष महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी के संज्ञान में लाना चाहता हूं कि मेरे लोक सभा क्षेत्र हरदोई के अंतर्गत उत्तर प्रदेश राज्य चीनी निगम लिमिटेड इकाई शाखा, हरदोई 15 वर्षों से बंद पड़ी है।

महोदया, मिल बंद होने के बाद से कर्मचारियों का भविष्य निधि खाता संख्या यू.पी. 176 सत् 1984 के पूर्व तक का बकाया चालीस प्रतिशत वेतन ही प्राप्त कराया गया तथा साठ प्रतिशत भविष्य निधि वेतन व अन्य बकाया भुगतान आज तक राज्य सरकार द्वारा नहीं किया गया।

महोदया, कर्मचारियों का सत् 1982-83 के 3ए एवं 6ए का भविष्य निधि कार्यालय में उपलब्ध न होना बताकर भुगतान नहीं किया गया एवं पेंशन गणना में 2 वर्ष छोड़ दिए गए, जबकि भविष्य निधि कार्यालय में पत् संख्या 37,414 दिनांक 16.07.2003 के माध्यम से जमाधन अंकित है, यह सूचित किया गया।

महोदया, कर्मचारी भविष्य निधि संगठन क्षेत्रीय आयुक्त, लखनऊ के पत् संख्या 51,709 दिनांक 16.07.2003 ने सदस्यों के वार्षिक लेखा विवरण के संबंध में वर्ष 1991-92 में त्रुटियां होने के कारण आने के वार्षिक लेखा विवरण में सुधार कर प्रेषित किए जाने के बारे में बताया। इन्होंने अपने पत् में यह भी स्वीकार किया कि भविष्य निधि धनराशि की प्रपत् 3ए एवं 6ए के माध्यम से इस कार्यालय में जमा होना अंकित है।

महोदया, मैं आपके माध्यम से माननीय प्रधानमंत्री जी से आग्रह करता हूं कि बंद पड़ी चीनी मिल के कर्मचारी बेरोजगारी की दशा में भुखमरी झेल रहे हैं। एक तरफ क्षेत्रीय आयुक्त, लखनऊ भविष्य निधि संगठन ने अपने पत् से त्रुटियां होना स्वीकार किया है तथा भविष्य निधि धनराशि कार्यालय में जमा न होना भी स्वीकार किया है।

आपसे आग्रह है कि जनहित में बंद पड़ी चीनी मिल के कर्मचारियों के 60 प्रतिशत बकाया भविष्य निधि का भुगतान कराने की कृपा करें। धन्यवाद।

माननीय अध्यक्ष :

श्री भैरों प्रसाद मिश्र को डॉ. अंशुल वर्मा द्वारा उठाए गए विषय के साथ संबद्ध करने की अनुमति प्रदान की जाती है।